Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–135

B.A. (Part–I) Examination, 2022

PHILOSOHY

Paper - I

(Indian Philosophy)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Akhyativada

अख्यातिवाद

(ii) Maya

माया

(iii) Dukh

दु:ख

(iv) Ahankar

अहंकार

(v) Hetvabhas

हेत्वाभास

(vi) Sanyoga

संयोग

(vii) Samanya

सामान्य

(viii) Aṡatkarayavad

असत्कार्यवाद

(ix) Prakriti

प्रकृति

(x) Apoorva

अपूर्व

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Explain Rta.

   ऋत को समझाइए।

3. Explain the theory of dependent origination of Boddh Darshan.

   बौद्ध दर्शन के प्रतीत्य समुत्पाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

4. Anekantavada of Jainism.

   जैनों का अनेकांतवाद।

5. Paramanuvada of Vaisesika.

   वैशेषिक का परमाणुवाद

6. Arguments of Purusa's Existence.

   पुरुष के अस्तित्व की युक्तियाँ।

7. Anupalabdhi Praman.

   अनुपलब्धि प्रमाण।

8. Yajna and Rna

   यज्ञ तथा ऋण।

Section–C

(खण्ड–स)

9. Explain the epistemology of Charvaka Darshan.

   चार्वाक दर्शन की ज्ञान मीमांसा की व्याख्या कीजिए।

10. Explain the Causation Theory.

    कारणता सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

11. Compare between Brahman of Shankaracharya and Ramanujacharya and the relation between their Brahman and Jiva-Jagat.

शंकराचार्य तथा रामानुजाचार्य के ब्रह्म तथा जीव-जगत् से उसके संबंध की तुलनात्मक व्याख्या कीजिए।

12. Explain Eightfold Path.

अष्टांग योग को समझाइए।